Courtesy by

দৈনিক স্টেটসম্যান

समाज्ञा
हिन्दी दैनिक
आपकी बात सच के साथ

## কলকাতায় মেরুদণ্ডের আঘাত প্রতিরোধী সপ্তাহ পালন

**নিজস্ব প্রতিনিধি—** ভারত সরকারের ডিজিএইচএস এর তত্ত্বাবধানে কলকাতায় প্রথম ন্যাশনাল ইনজুরি প্রিভেনশন সপ্তাহের আয়োজন করা হয়েছে। এই শিবিরে স্পাইনাল কর্ড সোসাইটি, ইন্ডিয়ান অর্থপেডিক অ্যাসোসিয়েশন, অ্যাসোসিয়েশন অব স্পাইন সার্জন অব ইন্ডিয়া, ইন্ডিয়ান অ্যাসোসিয়েশন অব ফিজিক্যাল মেডিসিন অ্যান্ড রিহ্যাবিলিটেশন, ইন্ডিয়ান স্পাইনাল ইনজুরিস সেন্টার এবং ইন্ডিয়ান হেড ইনজুরি ফাউন্ডেশন, চণ্ডীগড় স্পাইনাল রিহ্যাব, দা স্পাইনাল ফাউন্ডেশন, কারা মেডিক্যাল ফাউন্ডেশন, স্পাইন ওয়েলনেস অ্যান্ড কেয়ার ফাউন্ডেশন, বি ব্রেভ এবং নিনা ফাউন্ডেশন যোগ দিয়েছে।

## पहले नेशनल इंजूरी प्रिवेंशन वीक की शुरुआत

**कोलकाता, समाज्ञा :** एक कदम में जो हर साल शहर में हजारों लोगों की जान बचाने में मदद कर सकता है, द स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ स्पाइन सर्जन ऑफ इंडिया और इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर 10 के सहयोग से अन्य समितियों ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिद-शालय के तत्वावधान में पहली बार नेशनल इंजूरी प्रिवेंशन वीक की शुरुआत की गयी। राष्ट्रीय राजधानी सहित पूरे भारत के 10 शहरों में शुरू किया गया यह कार्यक्रम शिक्षा, अनुसंधान और वकालत के माध्यम से चोट की रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 7 सितंबर तक जारी रहेगा।

इस बारे में डॉ एच. एस. छाबड़ा, अध्यक्ष स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी, मेडिकल डायरेक्टर कम चीफ ऑफ स्पाइन सर्विसेज, इंडियन स्पाइनल इंजरी सेंटर, नई दिल्ली ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं और गिरना भारत में चोट के शीर्ष कारणों में से हैं। वास्तव में, भारत में दुनिया भर में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा है, जिसमें बड़ी संख्या में 18 से 35 वर्ष के युवा शामिल हैं। 2017 में, भारत में 26,896 वयस्कों की मृत्यु सीट-बेल्ट का उपयोग न करने के कारण हुई। सिर की चोट बच्चों, किशोरों और युवा वयस्कों के लिए मौत का प्रमुख कारण है।

Courtesy by

# ONLINE MEDIA

SAMACHAR
www.financialsamachar.com

UNI
BREVITY
ACCURACY
SPEED

United News of India
India's Multi Lingual News Agency